# जल जीवन मिशन

## सन्दर्भ

- केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में लगभग 62% ग्रामीण परिवारों के पास अपने परिसर में नल के पानी के कनेक्शन पूर्णतया कार्यात्मक अवस्था में हैं।
- यह सर्वेक्षण सरकार की प्रमुख योजना  जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन का आकलन करने हेतु  किया गया था।

**प्रमुख बिंदु**

- जून, 2022 में केंद्र सरकार ने 52% ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन होने की सूचना दी।
- तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, गोवा और पुडुचेरी के 80% से अधिक घरों में पूर्णतया कार्यात्मक नल कनेक्शन हैं।
- राजस्थान, केरल, मणिपुर, त्रिपुरा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, मिजोरम और सिक्किम में आधे से भी कम घरों में  पूर्णतया कार्यात्मक नल कनेक्शन थे।
- गोवा, तेलंगाना और हरियाणा ने सभी घरों में 100% नल कनेक्टिविटी का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है।
- पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा और नगर हवेली, और दमन और दीव जैसे केंद्र शासित प्रदेशों ने भी अपने 100% घरों में नल के पानी के कनेक्शन प्रदान किए हैं।

**जल जीवन मिशन (JJM) के विषय में**

- इसे 2019 में लॉन्च किया गया था। यह जल शक्ति मंत्रालय के अधीन है।

**उद्देश्य :**

- ग्रामीण भारत के सभी घरों में 2024 तक व्यक्तिगत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना।
- यह एकीकृत मांग और आपूर्ति पक्ष पर केंद्रित है
- स्थानीय स्तर पर जल प्रबंधन।

**महत्व :**

- यह पेयजल सुरक्षा सुनिश्चित करता है।
- मिशन पानी के प्रति सामुदायिक दृष्टिकोण पर आधारित है।
- यह जल  के लिए एक जन आंदोलन बनाना चाहता है, जिससे यह सबकी प्राथमिकता बन जाए।
- यह नकद, वस्तु और/या श्रम और स्वैच्छिक श्रम में योगदान के माध्यम से स्थानीय समुदायों के बीच स्वैच्छिक स्वामित्व को बढ़ावा देता है और सुनिश्चित करता है।

**केंद्र और राज्यों के बीच फंड शेयरिंग:**

- हिमालय और उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए - 90:10
- शेष अन्य राज्य - 50:50
- केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 100%।

# प्रोफेसर ऑफ  प्रैक्टिस

## सन्दर्भ

हाल ही में उच्च शिक्षा नियामक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने नए दिशानिर्देश जारी किए हैं जिसके अंतर्गत उच्च शिक्षा संस्थान विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को नियुक्त करने के लिए 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' नामक एक नया शिक्षण पद सृजित कर सकते हैं।

**प्रमुख बिन्दु**

- नियुक्ति के लिए पात्र होने के लिए, एक व्यक्ति को "प्रतिष्ठित विशेषज्ञ" होना चाहिए, जिसने "अपने व्यवसायों में उल्लेखनीय योगदान दिया है", और उसके पास कम से कम 15 वर्ष की सेवा या अनुभव है।
- संस्थानों को यह छूट दो गई है कि वे यह तय कर सकते हैं कि किस क्षेत्र से वे पेशेवरों को नियुक्त करना चाहते हैं।
- प्रोफेसर ऑफ़ प्रैक्टिस वह कोई भी हो सकता है जिसकी पृष्ठभूमि प्रौद्योगिकी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, मीडिया, साहित्य, सशस्त्र बलों, कानून, ललित कला आदि से विविध क्षेत्रों में हो।
- हालांकि, पद उन लोगों के लिए नहीं है जो शिक्षण पेशे ( सेवारत या सेवानिवृत्त) से सम्बद्ध हों ।
- यदि कोई व्यक्ति अपने कार्यक्षेत्र में "अनुकरणीय" पेशेवर रहा है, तो इस पद के लिए विचार किए जाने के लिए किसी औपचारिक शैक्षणिक योग्यता की आवश्यकता नहीं है।
- किसी संस्थान में प्रोफेसर ऑफ़ प्रैक्टिस की सेवा की अधिकतम अवधि तीन वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए और असाधारण मामलों में एक वर्ष के लिए बढ़ाई जा सकती है परन्तु यह अवधि किसी भी परिस्थिति में चार वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

**महत्व**

- उद्योग के विशेषज्ञों और पेशेवरों की भर्ती से विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में "संकाय संसाधनों में वृद्धि में सहायता मिलेगी
- इसका उद्देश्य भारतीय कॉलेजों और विश्वविद्यालयों द्वारा उत्पादित स्नातकों की गुणवत्ता सम्बन्धी चिंताओं को दूर करना है।

## आर्कटिक बर्फ का तेजी से पिघलना

**❖ सन्दर्भ**

हाल ही में शोधकर्ताओं की एक टीम ने आर्कटिक महासागर के पश्चिमी क्षेत्र में होने वाले परिवर्तन पर अपनी रिपोर्ट दी है। इन्होने यह बताया है कि आर्कटिक महासागर के पश्चिमी क्षेत्र में अम्लता का स्तर अन्यत्र किसी समुद्र के पानी की तुलना में तीन से चार गुना तेजी से बढ़ रहा है

**प्रमुख बिन्दु**

- आर्कटिक समुद्र में व्यापक रासायनिक परिवर्तन हो रहा है। यह और अधिक अम्लीय होता जा रहा है जिससे समुद्री जीवों, पौधों और स्वस्थ महासागर पर निर्भर अन्य जीवित चीजों की विविध आबादी के जीवन हेतु कई समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।
- टीम ने बर्फ के पिघलने की त्वरित दर और समुद्र के अम्लीकरण की दर के बीच एक मजबूत संबंध की भी पहचान की।
- वैज्ञानिकों ने भविष्यवाणी की है कि 2050 तक, इस क्षेत्र में आर्कटिक समुद्री बर्फ तेज गर्मी के कारण समाप्त हो सकता है।

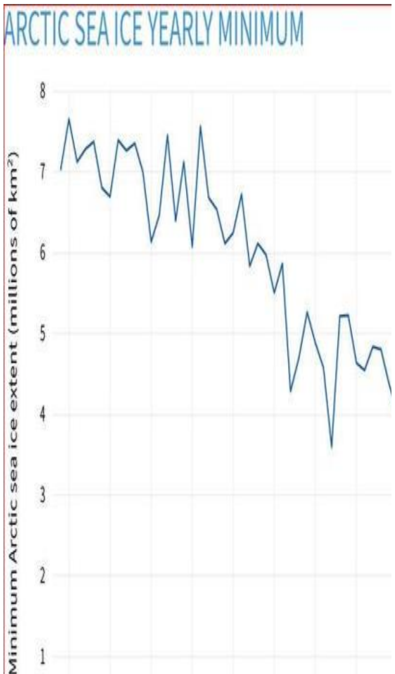


- उदाहरणस्वरूप केकड़े, , समुद्र के पानी में प्रचलित कैल्शियम कार्बोनेट से बने क्रस्टी शेल में रहते हैं।
- ध्रुवीय भालू भोजन के लिए स्वस्थ मछली जनसँख्या पर निर्भर हैं, मछली और समुद्री पक्षी प्लवक और पौधों पर निर्भर हैं, और समुद्री भोजन कई मनुष्यों के आहार का एक प्रमुख तत्व है।
- समुद्री जल सामान्यतः क्षारीय होता है, जिसका pH मान लगभग 8.1 होता है।

# एवीजीएएस 100 एलएल

### ❖ सन्दर्भ

केंद्र ने हाल ही में स्वदेशी रूप से विकसित एवीजीएएस 100 एलएल लॉन्च किया, यह पिस्टन इंजन वाले विमान और मानव रहित एरियल वाहनों के लिए एक विशेष विमानन ईंधन है।

| | |
|---|---|
| **मुख्य बिन्दु**<br>• वडोदरा में इंडियन ऑयल की प्रमुख रिफाइनरी द्वारा उत्पादित AVGAS 100 LL का नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) द्वारा परीक्षण तथा प्रमाणन किया गया।<br>• यह आयातित ग्रेड की तुलना में एक बेहतर स्वदेशी ईंधन है।<br>• यह आयातित ग्रेड की तुलना में बेहतर प्रदर्शन गुणवत्ता मानकों के साथ उत्पाद विनिर्देशों को पूरा करने वाला एक उच्च-ऑक्टेन विमानन ईंधन है।<br>• यह जैव ईंधन सम्मिश्रण, हरित हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों की शुरूआत को बढ़ावा देकर आयातित ईंधन पर निर्भरता को कम करेगा। | • भविष्य में पायलट प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षु विमानों में हवाई अड्डों पर यात्रियों की संख्या में वृद्धि, विमान और उड़ान प्रशिक्षण संगठनों (एफटीओ) की संख्या में वृद्धि के साथ एक संपन्न विमानन उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वदेशी एवी गैस 100 एलएल का शुभारंभ अत्यंत महत्वपूर्ण है।<br>• जैसा कि भविष्य में भारत में हवाई परिवहन की मांग कई गुना बढ़ने की उम्मीद है, इस स्थिति में प्रशिक्षित पायलटों की भी भारी मांग होने वाली है।<br>•वर्तमान में, भारत विमानन ईंधन उत्पाद को यूरोपीय देशों से आयात कर रहा है।<br>• 2029 तक एवी गैस बाजार के मौजूदा 1.92 अरब डॉलर से बढ़कर 2.71 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। |

# हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर

### ❖ सन्दर्भ

हाल ही में रक्षा मंत्री ने राजस्थान में भारतीय वायु सेना में स्वदेशी रूप से विकसित पहले हल्के लड़ाकू हेलीकाप्टरों को सम्मिलित किया।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

| प्रमुख बिंदु | |
|---|---|
| • एलसीएच को हेलीकाप्टर यूनिट 143 में सम्मिलित किया जाएगा।<br>• एलसीएच को सम्मिलित करने से न केवल वायु सेना की युद्ध क्षमता में वृद्धि होती है बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में एक बड़ी छलांग है।एलसीएच को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा विकसित किया गया है।<br>• यह एक अत्याधुनिक आधुनिक लड़ाकू हेलीकॉप्टर है, जिसे मुख्य रूप से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तैनाती के लिए डिज़ाइन किया गया है।<br>• एलसीएच दुनिया का एकमात्र अटैक हेलिकॉप्टर है जो 5,000 मीटर की ऊंचाई पर भारी मात्रा में हथियारों और ईंधन के साथ उतर और टेक-ऑफ कर सकता है। | • यह हेलीकॉप्टर दो शक्ति इंजनों द्वारा संचालित है और यह स्टील्थ फीचर्स, हर मौसम में मुकाबला करने की क्षमता, कवच सुरक्षा, रात में हमले की क्षमता और क्रैश-योग्य लैंडिंग गियर से लैस है।<br>• कम रडार क्रॉस सेक्शन और न्यूनतम इन्फ्रारेड सिग्नेचर जैसी विशेषताएं इसे दुश्मन पर सटीक हमले हेतु सक्षम बनाती हैं।<br>• एलसीएच की सीमा 550 किमी और परिचालन सीमा 6500 मीटर है<br>• यह हवा से हवा और हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों, 70 मिमी रॉकेट और 20 मिमी बंदूक से लैस है।<br>• एलसीएच कई तरह की भूमिकाएं निभा सकता है, जिसमें युद्ध , खोज और बचाव, दुश्मन की वायु रक्षा को नष्ट करना और जंगल और शहरी वातावरण में उग्रवाद विरोधी अभियान सम्मिलित हैं। |

# सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, AFSPA

### ❖ सन्दर्भ

केंद्र सरकार ने नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के 12 जिलों में सशस्त्र बल (विशेष अधिकार) अधिनियम, अफस्पा के अंतर्गत अशांत क्षेत्र के आवेदन को छह महीने के लिए बढ़ा दिया है।

**प्रमुख बिन्दु**

- इसे दो पूर्वोत्तर राज्यों के पांच अन्य जिलों के कुछ हिस्सों में भी विस्तारित किया गया है जिससे सशस्त्र बलों को उग्रवाद विरोधी अभियानों को जारी रखने में मदद मिल सके।
- वर्तमान समय में अफ्स्पा के अंतर्गत नागालैंड में 16 जिले हैं जबकि अरुणाचल प्रदेश में 26 जिले हैं।

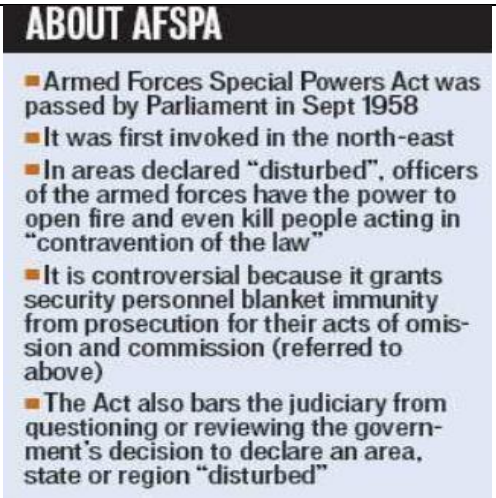
ABOUT AFSPA

- Armed Forces Special Powers Act was passed by Parliament in Sept 1958
- It was first invoked in the north-east
- In areas declared "disturbed", officers of the armed forces have the power to open fire and even kill people acting in "contravention of the law"
- It is controversial because it grants security personnel blanket immunity from prosecution for their acts of omission and commission (referred to above)
- The Act also bars the judiciary from questioning or reviewing the government's decision to declare an area, state or region "disturbed"

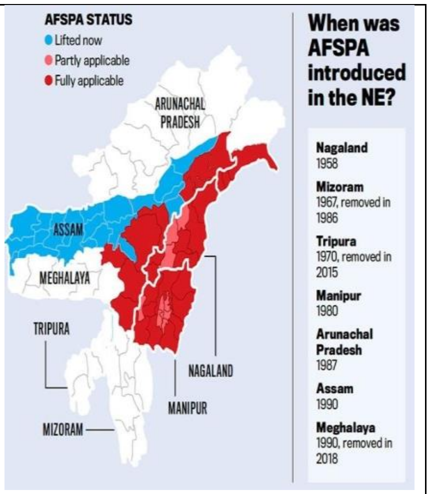

# संक्षिप्त न्यूज

| | |
|---|---|
| **व्यभिचार और सशस्त्र कार्मिक**<br> | **सन्दर्भ**<br>सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि व्यभिचार के लिए सशस्त्र कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सशस्त्र बलों के पास एक तंत्र होना चाहिए।<br>**प्रमुख बिन्दु**<br>• सेना ने कुछ कर्मियों के खिलाफ व्यभिचार के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई की थी, लेकिन सशस्त्र बल न्यायाधिकरण ने 2018 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए उनमें से कई मामलों में कार्यवाही को रद्द कर दिया था।<br>• पीठ केंद्र सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें अदालत से यह स्पष्ट करने का अनुरोध किया गया था कि सेना के जवानों पर 2018 के फैसले के बावजूद व्यभिचार के कृत्यों के लिए सेना अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकती है।<br>• शीर्ष अदालत ने 2018 में (जोसेफ शाइन बनाम भारत संघ) को खारिज कर दिया था<br>• आईपीसी की धारा 497 जो व्यभिचार को अपराध बनाती है। |
| **ब्लैक कोकीन**<br> | **सन्दर्भ**<br>नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मुंबई हवाई अड्डे से बोलीविया की एक महिला को कथित तौर पर काली कोकीन ले जाने के आरोप में गिरफ्तार किया।<br>**प्रमुख बिन्दु**<br>• ब्लैक कोकीन विभिन्न पदार्थों के साथ नियमित कोकीन बेस का मिश्रण है<br>• छलावरण विशिष्ट रूप (जैसे चारकोल)।<br>• दवा परीक्षणों के द्वारा इसके रंग (कोबाल्ट लवण घोल में गहरे लाल रंग के कॉम्प्लेक्स बनाते हैं) में हस्तक्षेप किया जाता है ।<br>• मिथाइलीन क्लोराइड या एसीटोन जैसे सामान्य कार्बनिक सॉल्वैंट्स का उपयोग करके निष्कर्षण द्वारा शुद्ध कोकीन बेस को फिर मिश्रण से पुनर्प्राप्त किया जाता है। दक्षिण अमेरिकी देशो के लिए जहाँ इसके के पौधे उगते हैं, भारत में कोकीन के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं। |
| **'herSTART'** | **प्रसंग**<br>हाल ही में महामहिम राष्ट्रपति ने महिला उद्यमियों के लिए गुजरात विश्वविद्यालय का एक स्टार्ट-अप प्लेटफॉर्म 'herSTART' लॉन्च किया है।<br>**प्रमुख बिन्दु**<br>• HerSTART गुजरात यूनिवर्सिटी स्टार्टअप एंड एंटरप्रेन्योरशिप काउंसिल (GUSEC) |

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

| | |
|---|---|
| | के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है, जो महिला उद्यमियों को उनके उद्यमशीलता प्रयासों के दौरान समर्थन करता है।<br>• यह कार्यक्रम उन सभी महिलाओं के लिए खुला है जिनके पास नवोन्मेषी विचार, प्रोटोटाइप या मौजूदा व्यावसायिक उद्यम हैं और वे अपने प्रयासों को अगले चरण में ले जाना चाहती हैं।<br>• शॉर्टलिस्ट किए गए नवाचार अपने विचारों को और सशक्त बनाने के लिए लाभों का लाभ उठाने के पात्र होंगे। |
| **स्वंते पाबो**<br> | **प्रसंग**<br>हाल ही में स्वंते पाबो को मेडिसिन के क्षेत्र में 2022 का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया है।<br>**स्वंते पाबो के विषय में**<br>• जन्म - 1955 में स्टॉकहोम, स्वीडन<br>• वह वर्तमान में लीपज़िग में मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर इवोल्यूशनरी एंथ्रोपोलॉजी के निदेशक हैं।<br>• स्वंते पाबो सुने बर्गस्ट्रॉम के बेटे हैं, जिन्हें 1982 में चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिला था।<br>**खोज :**<br>• इन्होने यह सिद्ध किया कि आधुनिक मानव विलुप्त हो चुके निएंडरथल और डेनिसोवन्स के साथ डीएनए साझा करते हैं।<br>• वैज्ञानिक ने निएंडरथल के जीनोम को अनुक्रमित किया और पहले अज्ञात होमिनिन, डेनिसोवा की सनसनीखेज खोज की।<br>• निएंडरथल वर्तमान मानवों का विलुप्त करीबी हैं<br>• स्वीडिश वैज्ञानिक ने हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान की और जो हमें हमारे विलुप्त करीबियों की तुलना में हमें अद्वितीय बनाती है। |
| **विंडफॉल टैक्स** | **प्रसंग**<br>हाल ही में, सरकार ने अंतरराष्ट्रीय दरों में गिरावट के अनुरूप स्थानीय रूप से उत्पादित कच्चे तेल और डीजल पर अप्रत्याशित लाभ कर में कटौती की।<br>**प्रमुख बिन्दु**<br>• सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर कर 10,500 रुपये प्रति टन से घटाकर 8,000 रुपये प्रति टन कर दिया।<br>• इन कर सुधारो को 1 जुलाई, 2022 को प्रस्तुत किया गया था क्योंकि केंद्र ने महसूस किया था कि कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमतें तेल कंपनियों को अप्रत्याशित लाभ कमाने की अनुमति दे रही हैं |

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

**विंडफॉल टैक्स के बारे में**

- अप्रत्याशित कर कुछ उद्योगों के विरुद्ध  सरकारों द्वारा लगाया जाने वाला एक उच्च कर दर है, जब आर्थिक स्थिति उन उद्योगों को औसत से अधिक लाभ प्राप्ति की अनुमति देती है। उदाहरण के लिए, रूस-यूक्रेन संघर्ष के परिणामस्वरूप ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि।
- ये ऐसे लाभ हैं जिनका श्रेय किसी फर्म द्वारा सक्रिय रूप से किए गए किसी निवेश रणनीति या व्यवसाय के विस्तार के लिए नहीं लगाया जा सकता है।

**परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स  (पीएमआई)**

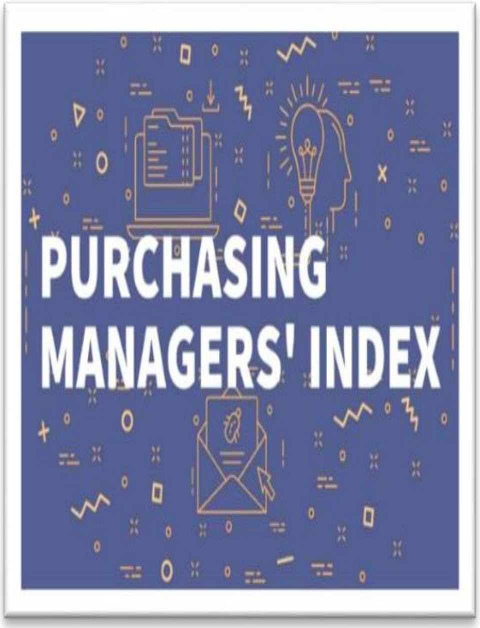


**संदर्भ**

भारत का विनिर्माण  परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स सितंबर में गिरकर 55.1 हो गया, जो अगस्त, 2022 में 56.2 था।

**मुख्य बिंदु**

- पीएमआई डेटा का नवीनतम सेट हमें दिखाता है कि भारतीय विनिर्माण उद्योग काफी वैश्विक प्रतिकूलताओं और अन्य जगहों पर मंदी के डर के बावजूद अच्छी स्थिति में है।
- भारत के विनिर्माण क्षेत्र ने जून, 2022 के बाद से सितंबर 2022 सबसे कम गति से वृद्धि की।
- परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) के बारे में :
- परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) व्यवसायों से सर्वेक्षण प्रतिक्रियाओं को मापता है और इसका उपयोग आर्थिक गतिविधि को मापने के लिए किया जाता है।
- यह विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के आर्थिक स्वास्थ्य का संकेतक है।
- PMI में 0 से 100 तक की एक संख्या के द्वारा मापन किया जाता है। 50 से ऊपर के प्रिंट का अर्थ  विस्तार को प्रदर्शित करता है वहीँ  , 50 से कम का स्कोर संकुचन को दर्शाता है। 50 पर पहुंचने का अर्थ है कि कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।
- सामान्य रूप से यह हर महीने के आरम्भ में जारी किया जाता है। इसलिए, इसे आर्थिक गतिविधि का एक अच्छा अग्रणी संकेतक माना जाता है।
- एस एंड पी ग्लोबल पीएमआई इंडेक्स को संकलित करता है।

MCQ,  Current Affairs, Daily Pre Pare

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA  BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com